महर्षि दयानन्द सरस्वती की उत्तराधिकारिणी
परोपकारिणी सभा द्वारा संचालित

वैदिक पुस्तकालय, अजमेर

सूची-पत्र

(२०१५-२०१६)

दयानन्द आश्रम, केसरगंज,
अजमेर - ३०५००१

दूरभाष : वैदिक पुस्तकालय : ०१४५-२४६०१२०
परोपकारिणी सभा : २४६०१६४

Web Site - www.paropkarinisabha.com
E-mail - psabhaa@gmail.com

पुस्तकें भेजने के आवश्यक नियम :

१. इससे पूर्व के सभी सूचीपत्र रदद् समझे जाएँ।
२. ऑर्डर देते समय पुस्तकें मंगाने के ये नियम व कमीशन के नियम भलीभाँति पढ़ व समझ लेने चाहिये ताकि कोई शंका न रहे। यदि कोई शंका होवे तो पुस्तकें मँगाने से पूर्व ही पत्र-व्यवहार द्वारा निराकरण कर लेना चाहिये।
३. **पुस्तकें मँगाने वालों को सम्पूर्ण मूल्य अग्रिम (पेशगी) धनादेश (मनीऑर्डर) या बैंक ड्राफ्ट, ऑन लाईन द्वारा आर्डर के साथ में भेजना चाहिये। ऑन लाईन रुपये जमा हेतु खातेदार वैदिक पुस्तकालय अजमेर, खाता सं. 0008000100067176 बैंक – पंजाब नेशनल बैंक, कचहरी रोड, अजमेर, IFSC No. PUNB0000800**
४. डाकव्यय, पैकिंग खर्चा, मजदूरी, रेलकिराया, ट्रांसपोर्ट किराया, बैंक खर्चा आदि सभी खर्च ग्राहकों के जिम्मे होंगे।
५. बिकी हुई पुस्तकें वापस नहीं ली जावेंगी।
६. जिन पुस्तकों के नाम के आगे मूल्य नहीं छपा है अथवा मूल्य काट दिया गया है वे पुस्तकें समाप्त हो गई हैं।
७. इस सूचीपत्र के अलावा अन्य पुस्तकें नहीं हैं। बाजार से पुस्तकें खरीद कर भेजने का प्रबन्ध नहीं है।
८. जो पुस्तकें स्टॉक में उपलब्ध होंगी केवल वे ही भेजी जायेंगी।
९. आदेश (आर्डर) देने के बाद पुस्तकें वापस करने पर तथा न छुड़वाने पर जो हानि पुस्तकालय को होगी वह आदेश देने वाले को देनी होगी। ५ दिन के बाद डाक-खाने वाले पुस्तकें वापस लौटा देते हैं, अतः पुस्तकें मंगवाने वाले का कर्त्तव्य है कि इस अवधि के भीतर ही पुस्तकें अवश्य छुड़ा लेवे।
१०. ग्राहक अपना नाम, पूरा पता, पोस्ट-ऑफिस, जिला व रेलवे स्टेशन का नाम एवं दूरभाष संख्या साफ-साफ शुद्ध नागरी अक्षरों में अवश्य लिखें तथा पिन कोड नम्बर भी अवश्य लिखें।
११. बिल में भूल जान पड़े तो भी पुस्तकें वापस न करें, पत्र लिखने पर भूल सुधार दी जायेगी।
१२. विदेश में वी.पी. नहीं भेजी जाती। अतः विदेशों से भेजे ऑर्डर के साथ-साथ मार्गव्यय सहित सम्पूर्ण मूल्य अग्रिम भेजें।
१३. हमारे यहाँ से पूरी जाँच के साथ माल भेजा जाता है, इसलिए डाक तथा रेल में खोई हुई पुस्तकों का उत्तरदायी पुस्तकालय नहीं होगा।
१४. हमारी जिम्मेदारी माल भेजने के पश्चात् समाप्त हो जावेगी।
१५. किसी ग्राहक को किसी भी कारण से माल न मिलने पर हमारी कोई जिम्मेदारी न होगी।
१६. साधारणतया हम रेलवे रसीद, रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजते हैं, ग्राहक की इच्छानुसार रेलवे रसीद बैंक द्वारा मंगाने पर बैंक से भेज दी जाती है, लेकिन समय पर ग्राहक को मिलने न मिलने का दायित्व हमारा नहीं होगा।
१७. सभी विवाद अजमेर न्याय क्षेत्र के आधीन होंगे।

हमारे प्रकाशनों पर कमीशन के नियम नीचे लिखे अनुसार हैं–

२००) रु. से ऊपर १०००) रु. तक १०.) रु. सैंकड़ा
१०००) रु. से ऊपर २०००) रु. तक १५) रु. सैंकड़ा
२०००) रु. से ऊपर ३०००) रु. तक २०) रु. सैंकड़ा
३०००) रु. से ऊपर २५) रु. सैंकड़ा

सम्पर्क सूत्र– (पुस्तकों के लिए)
प्रबन्धकर्त्ता, वैदिक पुस्तकालय,
दयानन्द आश्रम, केसरगंज अजमेर – ३०५००१ दूरभाष: २४६०१२०

ओ३म्

महर्षि दयानन्द सरस्वती की उत्तराधिकारिणी
परोपकारिणी सभा द्वारा संचालित

वैदिक पुस्तकालय, अजमेर

द्वारा प्रकाशित एवम् विक्रयार्थ पुस्तकों का

सूची-पत्र

२०१५ – २०१६

दयानन्द आश्रम, केसरगंज,
अजमेर–३०५००१

: दूरभाष :
वै.पु. ०१४५– २४६०१२०,
प.सभा २४६०१६४

हमारे प्रकाशन

महर्षि दयानन्द सरस्वती कृत

मूलवेद, वेदभाष्य, वेदभाषाभाष्य, वेदांगप्रकाश और वैदिक साहित्य

क्रमांक	नाम पुस्तक	मूल्य
	वेद संहिताएँ– (केवल मन्त्र)	
१.	ऋग्वेद संहिता (मूल) मन्त्र–	रु.
	वर्णानुक्रमणिका सहित सजिल्द (बढ़िया)	६००.००
२.	"यजुर्वेद संहिता"(मूल) मन्त्र	
	वर्णानुक्रमणिका सहित सजिल्द (बढ़िया)	१८०.००
३.	यजुर्वेद संहिता (मूल) सजिल्द (साधारण)	१००.००
४.	सामवेद संहिता (मूल) मन्त्र	
	वर्णानुक्रमणिका सहित सजिल्द (बढ़िया)	१६०.००
५.	अथर्ववेद संहिता (मूल) मन्त्र–	
	वर्णानुक्रमणिका सहित सजिल्द (बढ़िया)	४००.००
६.	चतुर्वेद विषय सूची	४०.००
७.	सामवेद के मन्त्रों की वर्णानुक्रमणिका	२.००
८.	ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका सजिल्द	१२०.००
९.	ऋग्वेद के प्रथम बाईस मन्त्रों का भाष्य	५.००
	वेद भाष्य–(संस्कृत एवं हिन्दी, दोनों में भाष्य)	
१०.	ऋग्वेदभाष्य पहला भाग सजिल्द	१५०.००
११.	ऋग्वेदभाष्य दूसरा भाग सजिल्द	२००.००
१२.	ऋग्वेदभाष्य तीसरा भाग सजिल्द	२००.००
१३.	ऋग्वेदभाष्य चौथा भाग सजिल्द	१५०.००
१४.	ऋग्वेदभाष्य पांचवां भाग सजिल्द	२५०.००
१५.	ऋग्वेदभाष्य छठा भाग सजिल्द	३००.००
१६.	ऋग्वेदभाष्य सातवाँ भाग सजिल्द	२००.००
१७.	ऋग्वेदभाष्य आठवाँ भाग सजिल्द	२००.००
१८.	ऋग्वेदभाष्य सप्तम मंडल प्रथम भाग सजिल्द	७०.००
१९.	ऋग्वेदभाष्य सप्तम मंडल द्वितीय भाग सजिल्द (पं. आर्यमुनि)	६०.००
२०.	ऋग्वेदभाष्य अष्टम मण्डल पहला भाग सजिल्द	

२१.	ऋग्वेदभाष्य अष्टम मण्डल दूसरा भाग सजिल्द	
२२.	ऋग्वेदभाष्य नवम् मण्डल प्रथम भाग सजिल्द (पं. आर्यमुनि)	१५०.००
२३.	ऋग्वेदभाष्य नवम् मण्डल द्वितीय भाग सजिल्द	३००.००
२४.	ऋग्वेदभाष्य दसवां मण्डल प्रथम भाग सजिल्द (स्वामी ब्रह्ममुनि)	२००.००
२५.	ऋग्वेदभाष्य दसवाँ मण्डल द्वितीय भाग सजिल्द (स्वामी ब्रह्ममुनि)	९०.००
२६.	यजुर्वेदभाष्य पहला भाग सजिल्द	२००.००
२७.	यजुर्वेदभाष्य दूसरा भाग सजिल्द	३५०.००
२८.	यजुर्वेदभाष्य तीसरा भाग सजिल्द	२५०.००
२९.	यजुर्वेदभाष्य चौथा भाग सजिल्द	१५०.००

वेद भाषाभाष्य – (केवल हिन्दी भाष्य)

३०.	ऋग्वेदभाषाभाष्य का नमूना	५.००
३१.	ऋग्वेदभाषाभाष्य पहला भाग सजिल्द	२००.००
३२.	ऋग्वेदभाषाभाष्य दूसरा भाग सजिल्द	३५.००
३३.	ऋग्वेदभाषाभाष्य तीसरा भाग सजिल्द	३५.००
३४.	ऋग्वेदभाषाभाष्य चौथा भाग सजिल्द	२५.००
३५.	ऋग्वेदभाषाभाष्य पांचवां भाग सजिल्द	३०.००
३६.	ऋग्वेदभाषाभाष्य छठा भाग सजिल्द	३०.००
३७.	ऋग्वेदभाषाभाष्य सातवाँ भाग सजिल्द	५०.००
३८.	ऋग्वेदभाषाभाष्य आठवाँ भाग सजिल्द	५०.००
३९.	ऋग्वेदभाषाभाष्य (नवाँ भाग) सप्तम मण्डल पहला भाग सजिल्द	२५.००
४०.	ऋग्वेदभाषाभाष्य सप्तम मण्डल द्वितीय भाग सजिल्द (पं. आर्यमुनि)	३५.००
४१.	ऋग्वेदभाषाभाष्य अष्टम मण्डल सजिल्द	
४२.	ऋग्वेदभाषाभाष्य नवम मण्डल सजिल्द	
४३.	ऋग्वेदभाषाभाष्य दसवां मण्डल प्रथम भाग सजिल्द (स्वा. ब्रह्ममुनि)	४५.००
४४.	ऋग्वेदभाषाभाष्य दसवां मण्डल द्वितीय भाग सजिल्द (स्वा. ब्रह्ममुनि)	५०.००
४५.	यजुर्वेदभाषाभाष्य पहला भाग सजिल्द	१००.००
४६.	यजुर्वेदभाषाभाष्य दूसरा भाग सजिल्द	३७५.००

स्वामी ब्रह्ममुनि परिव्राजक विद्यामार्तण्ड

४७.	सामवेद अध्यात्मिक मुनिभाष्य (पूर्वार्चिक)	
४८.	सामवेद अध्यात्मिक मुनिभाष्य (उत्तरार्चिक) (दोनो खण्डों का सम्मिलित मूल्य)	४००.००

पं. विश्वनाथ विद्यालंकार

४९.	अथर्ववेदभाष्य – (काण्ड १ से २०) तीन भाग का एक सेट	१५००.००

विविध

५०.	गोकरुणानिधि बढ़िया	५.००
५१.	स्वमन्तव्यामन्तव्य प्रकाश	५.००
५२.	स्वीकारपत्र	३.००
५३.	आर्योद्देश्यरत्नमाला (हिन्दी)	५.००

सिद्धान्त ग्रन्थ

५४.	सत्यार्थप्रकाश सजिल्द बढ़िया	१००.००
५५.	आर्याभिविनय बड़ा आकार नई	३०.००
५६.	आर्याभिविनय बड़ा आकार अजिल्द	७.००
५७.	आर्याभिविनय गुटका अजिल्द	७.००

कर्मकाण्डीय

५८.	वैदिक नित्यकर्मविधि	२५.००
५९.	पञ्चमहायज्ञविधि	१२.००
६०.	विवाह पद्धति	२०.००
६१.	संस्कारविधि सजिल्द	७०.००
६२.	हवनमन्त्राः बड़ा आकार	५.००

पाखण्ड–खण्डन और शंका–समाधान ग्रन्थ

६३.	अनुभ्रमोच्छेदन	
६४.	भ्रमोच्छेदन साधारण	४.००
६५.	भ्रमोच्छेदन बढ़िया	१०.००
६६.	भ्रान्तिनिवारण	
६७.	शिक्षापत्रीध्वान्त निवारण (स्वामीनारायण मतखण्डन)	२.००
६८.	वेदविरुद्धमत खण्डन	१०.००
६९.	वेदान्तिध्वान्तनिवारण	२.००
७०.	शास्त्रार्थ काशी	८.००
७१.	शास्त्रार्थ हुगली (प्रतिमा–पूजन विचार)	६.००

७२.	सत्यधर्म विचार (मेला चान्दापुर)	७.००
७३.	शास्त्रार्थ जालंधर	३.००
७४.	शास्त्रार्थ अजमेर	३.००
७५.	शास्त्रार्थ बरेली (सत्यासत्य विवेक)	८.००
७६.	शास्त्रार्थ मसूदा	५.००
७७.	शास्त्रार्थ उदयपुर	४.००
७८.	शास्त्रार्थ फिरोजाबाद	१०.००
७९.	महर्षि दयानन्द के शास्त्रार्थ (सजिल्द)	४०.००

शिक्षा व व्याकरण ग्रन्थ (वेदाङ्ग प्रकाश)

८०.	वर्णोच्चारण शिक्षा	१५.००
८१.	संधिविषय	४०.००
८२.	नामिक	५०.००
८३.	कारकीय	१०.००
८४.	सामासिक	४०.००
८५.	स्त्रैणताद्धित	६०.००
८६.	अव्ययार्थ	५.००
८७.	आख्यातिक अजिल्द	१५०.००
८८.	सौवर	५.००
८९.	पारिभाषिक	२०.००
९०.	धातुपाठ	५०.००
९१.	गणपाठ	३०.००
९२.	उणादिकोष	६०.००
९३.	निघण्टु	२५.००
९४.	संस्कृतवाक्यप्रबोध	–
९५.	व्यवहारभानुः	२०.००
९६.	निरुक्त मूल	८०.००
९७.	अष्टाध्यायी मूल	२०.००
९८.	अष्टाध्यायीभाष्य प्रथम भाग सजिल्द	१२०.००
९९.	अष्टाध्यायी भाष्य द्वितीय भाग सजिल्द	१००.००
१००.	अष्टाध्यायी भाष्य तृतीय भाग सजिल्द	१३०.००

डॉ. भवानीलाल भारतीय

१०१.	महर्षि दयानन्द– आत्मकथा	१५.००
१०२.	उपदेश मंजरी (पूना प्रवचन)	–
१०३.	परोपकारिणी सभा का इतिहास	–

१०४. आर्यसमाज के पत्र और पत्रकार	१०.००
१०५. आर्य नरेश राजाधिराज सर नाहरसिंह वर्मा	८.००
१०६. दयानन्द–सूक्ति–मुक्तावली	१५.००
१०७. देशभक्त कुँ.चाँदकरण शारदा	५.००
१०८. दयानन्द वचनामृत	३.००
१०९. आर्यसमाज के शास्त्रार्थ महारथी	१०.००

वेदगोष्ठी– सम्पादक डॉ. धर्मवीर

११०. ऋषि दयानन्द की वेदभाष्य शैली	२०.००
१११. वेद और कर्मकाण्डीय विनियोग	३१.००
११२. अथर्ववेदः समस्याएं और समाधान	३५.००
११३. वेद और विदेशी विद्वान् – कृतित्व और दृष्टिभेद	३५.००
११४. वेदों के आख्यान (प्रथम भाग)	३५.००
११५. वेदों के दार्शनिक विचार	४०.००
११६. सोम का वैदिक स्वरुप	५०.००
११७. पर्यावरण का वैदिक स्वरुप	
११८. वेद और समाज	
११९. वेद और राष्ट्र	
१२०. वेद और विज्ञान	
१२१. वेद और ज्योतिष	८०.००
१२२. वेदों में पदार्थ विद्या (विशेषांक–१)	५०.००
१२३. वेदों में पदार्थ विद्या (विशेषांक–२)	५०.००
१२४. वेद और निरुक्त	१००.००
१२५. वेद और इतिहास	१००.००
१२६. वेद में कृषि व वनस्पति विज्ञान	१००.००
१२७. वेद और शिल्प	
१२८. वेदों में अध्यात्म	
१२९. वेदों में राजनैतिक विचार	१००.००
१३०. वेद सब सत्य विद्याओं का पुस्तक है	
१३१. वैदिक समाज विज्ञान	
१३२. सत्यार्थ प्रकाश ७वाँ समुल्लास और वेद	
१३३. सत्यार्थ प्रकाश ८वाँ समुल्लास और वेद	

प्रो. धर्मवीर

१३४. आर्यसमाज और शोध	१५.०
१३५. महर्षि दयानन्द सरस्वती के पत्र	

स्वामी विष्वङ् परिव्राजक

१३६. ध्यान योग एवं रोग निवारण — १५०.००
१३७. योग — ५०.००
१३८. अष्टाङ्ग योग — २०.००
१३९. समाधि — १००.००

स्वामी अभयानन्द सरस्वती

१४०. प्राणायाम चिकित्सा

डॉ. सत्यदेव आर्य

१४१. वैदिक संध्या मीमांसा — २५.००
१४२. ईश्वरस्तुतिप्रार्थनोपासना मन्त्रों का विवेचन — २५.००
१४३. तन्मेमनःशिवसंकल्पमस्तु का वैज्ञानिक विवेचन — २५.००

विरजानन्द दैवकरणि

१४४. प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत — ८.००
१४५. महाभारत युद्ध कब हुआ एवं अन्य रचनाएँ — ५.००

वैद्य पंडित ब्रह्मानन्द त्रिपाठी

१४६. बूंदी शास्त्रार्थ — ५.००
१४७. वैदिक सूक्ति–सुमन — २५.००

वैदिक साहित्य – विविध ग्रन्थ

१४८. दयानन्द ग्रन्थमाला तीन खंड का १ सेट — ५५०.००
१४९. आर्य समाज की मान्यताएं — २०.००
१५०. मानव निर्माण के स्वर्ण सूत्र — १५.००
१५१. अथर्ववेदीय पञ्चपटलिका सजिल्द — २५.००
१५२. अथर्ववेदीय पञ्चपटलिका अजिल्द — १५.००
१५३. ऋग्वेद का नमूना भाष्य (१मंत्र) — ४.००
१५४. ईशादिदशोपनिषद् (मूल) — १०.००
१५५. वैदिक कोषः (निघण्टु मणिमाला) — २५.००
१५६. सरस्वती की खोज एवं महाभारत युद्धकाल — १०.००
१५७. दयानन्द दिव्य दर्शन — १२.००
१५८. वृक्षों में जीवात्मा — १०.००
१५९. महर्षि दयानन्द जीवन और सन्देश — ३.००
१६०. महर्षि महिमा — २.००

१६१. स्वामी दयानन्द चरितम् १०.००
१६२. ब्रह्माकुमारी मत खण्डन ८.००
१६३. निरुक्तकार का ऐतिहासिक पक्ष ५.००
१६४. मांसाहार वैदिक धर्म एवं विज्ञान १२.००
१६५. नेपाली सत्यार्थ प्रकाश २००.००
१६६. परोपकारी विशेषांक २५.००
१६७. महर्षि दयानन्द के चित्र (एक प्रति) ५०.००
१६८. संगठन सूक्त २.००
१६९. ३१ दिवसीय टेबल कलेण्डर १००.००
१७०. महर्षि दयानन्द (जीवन चरित्र) २०.००
१७१. सत्यासत्य निर्णय २५.००
१७२. इतिहास के साक्षी ५०.००
१७३. कलेण्डर – १. गायत्री मंत्र, २. संध्या सुरभि, ३. म.द. की शिक्षाएँ (प्रत्येक) २५.००
१७४. ओ३म् स्टीकर १०.००
१७५. महर्षि दयानन्द ग्रन्थ परिचय ३०.००
१७६. नैति मूंजषा ९५०.००
१७७. ऋग्वेदादि संदेश ३०.००
१७८. त्याग की धरोहर १००.००
१७९. वेदमृत ५०.००

ध्यान योग एवं रोग निवारण सी.डी.

१८०. अष्टांग योग–१ (सी.डी.) ४०.००
१८१. अष्टांग योग–२ (सी.डी.) ४०.००
१८२. आसन (सी.डी.) ४०.००
१८३. सूक्ष्म व्यायाम (सी.डी.) ४०.००
१८४. श्वसन क्रियाएं एवं प्राणायाम (सी.डी.) ४०.००
१८५. मोटापा (सी.डी.) ४०.००
१८६. योगनिद्रा (सी.डी.) ३०.००
१८७. ध्यान (सी.डी.) ३०.००
१८८. योगनिद्रा (कैसेट) ३०.००
१८९. ध्यान (कैसेट) ३०.००

श्री रावसाहब रामविलास शारदा

१९०. आर्य धर्मेन्द जीवन सजिल्द १००.००
(स्वामी दयानन्दजी का जीवन चरित्र)

डॉ. रामप्रकाश आर्य

१९१. महर्षि दयानन्द सरस्वती (जीवन एवं उनकी हिन्दी रचनाएं) — २५०.००

महर्षि गार्ग्य

१९२. सामपद संहिता सजिल्द (पदपाठः) — २५.००

डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा

१९३. वेदार्थ विमर्शः (वेदार्थ पारिजात खण्डनम्) — २५.००

१९४. डॉ. भवानीलाल भारतीय अभिनन्दन ग्रन्थ (बढ़िया) — ५१.००

१९५. डॉ. भवानीलाल भारतीय अभिनन्दन ग्रन्थ (साधारण) — ३१.००

महामहोपाध्याय पं. आर्यमुनि

१९६. वाल्मीकि रामायण सजिल्द आर्य टीका सहित (प्रथम भाग) — १६०.००

१९७. वाल्मीकि रामायण सजिल्द आर्य टीका सहित (द्वितीय भाग) — १६०.००

१९८. महाभारत आर्य टीका (प्रथम भाग)

Prof. Tulsi Ram

199. The Book Of Prayer (Arya Bhivinaya) — 35.00

200. Kashi Debate on Idol Worship — 20.00

201. A Critique of Swami Narayan Sect — 20.00

202. An Examination of Vallabha Sect — 20.00

203. Five Great Rituals of the Day (Panch Maha Yajna Vidhi) — 20.00

204. Bhramochhedan (New Edition) — 25.00

205. Bhranti Nivarana — 35.00

206. **Atmakatha**- Swami Dayanand Saraswati — 20.00

207. Bhramochhedan — 5.00

208. Chandapur Fair — 5.00

DR. KHAZAN SINGH

209. Gokaruna Nidhi — 12.00

DEENBANDHU HARVILAS SARDA

210. Life of Dayanand Saraswati — 200.00

SWAMI SATYA PRAKASH SARASWATI

211.	Dayanand and His Mission	5.00
212.	Dayanand and interpretation of Vedas	5.00
२१३.	पवित्र धरोहर सी.डी.	५१.००

अन्य लेखकों के ग्रन्थ–निम्न पुस्तकों पर कमीशन देय नहीं हैं।

श्री गजानन्द आर्य

२१४.	वेद सौरभ	१००.००
२१५.	Gokarunanidhi (Eng.)	२५.००

सत्यानन्द जी

२१६.	प्रभु भक्ति गीत मञ्जरी	६०.००

डॉ. सुरेन्द्र कुमार (भाष्यकार एवं समीक्षक)

२१७.	मनुस्मृति	३००.००
२१८.	महर्षि दयानन्द वर्णित शिक्षा पद्धति	१५०.००

सत्यानन्द वेदवागीश:

२१९.	दयानन्द वेदभाष्य भावार्थ प्रकाश (उत्तरखण्ड)	३००.००
२२०.	दयानन्द वेदभाष्य भावार्थ प्रकाश (पूर्वखण्ड)	३५०.००

डॉ. वेदपाल सुनीथ

२२१.	माध्यन्दिन शतपथीय यूप ब्राह्मणों का भाष्य अजिल्द	५०.००
२२२.	शतपथ ब्राह्मण के पशुयाग का भाष्य अजिल्द	७०.००
२२३.	शतपथीययूप ब्राह्मण का भाष्य एवं शतपथ ब्राह्मण के पशुयाग का भाष्य सजिल्द	१५०.००
२२४.	यजुर्वेद–भाष्य विवरणम् विशिष्ट संस्करण	५०.००
२२५.	यजुर्वेद–भाष्य विवरणम् साधारण संस्करण	२५.००

आचार्य सत्यव्रत शास्त्री

२२६.	उणादिकोष	–
२२७.	दयानन्द लहरी	५०.००

प्रो. रामप्रसाद वेदालंकार

२२८.	वेदाध्ययन (भाग–१)	६.००
२२९.	वेदाध्ययन (भाग–२)	१० ००
२३०.	वेदाध्ययन (भाग–१०)	६.००

२३१. भक्ति भरे भजन	११०.००
२३२. विनय सुमन भाग–३	६.००
२३३. वेद सुधा	८.००
२३४. वेद पढ़ो और पढ़ाओ	१००.००
२३५. वैदिक उपनिषदामृत	१५०.००
२३६. वैदिक उपदेशामृत	१३०.००
२३७. वैदिक छान्दोग्योपनिषद्	२००.००
२३८. वैदिक प्रवचन धारा एम.पी.–3	३०.००
२३९. Quest for the Infinite	20.00

श्री राजेन्द्र जी जिज्ञासु

२४०. गंगा ज्ञान धारा भाग–१	
२४१. गंगा ज्ञान धारा भाग–२	१६०.००
२४२. गंगा ज्ञान धारा भाग–३	१७०.००
२४३. कवि मनीषी पं. चमूपति	१६०.००
२४४. कुरान सत्यार्थ प्रकाश के आलोक में	२००.००
२४५. निष्कलंक दयानन्द	१६०.००
२४६. मेहता जैमिनी	१५०.००
२४७. कुरान वेद की छांवो में	१५०.००
२४८. जन्मू शास्त्रार्थ	३०.००
२४९. महर्षि दयानन्द का प्रादुर्भाव	२०.००
२५०. सतत् साधना	२५०.००
२५१. विरजानन्द विजय	३५.००
२५२. तड़पवाले तड़पाती जिनकी कहानी	२००.००
२५३. सोम सरोवर	१२०.००
२५४. महर्षि दयानन्द सम्पूर्ण जीवन चरित्र–१ सैट	९००.००
२५५. स्मृतियों की यात्रा	२००.००

विविध ग्रन्थ

२५६. नित्यकर्म विधि तथा भजन कीर्तन	२०.००
२५७. आर्य समाज के दस नियम	१०.००
२५८. मद्यनिषेध शिक्षित शतकम	१५.००
२५९. चतुर्वेद शतक	१००.००
२६०. जीवन का उद्देश्य	२०.००
२६१. वेदोपदेश	३०.००
२६२. यज्ञ विमर्श	३०.००

२६३.	सत्यार्थ प्रकाश का समीक्षात्मक अध्ययन	२०.००
२६४.	भारतीय साहित्य में विद्या का महत्त्व	१०.००
२६५.	जीवन निर्माण	२५.००
२६६.	१०० वर्ष जीने के साधन नित्यकर्म	२५.००
२६७.	दयानन्द शतक	८.००
२६८.	जागृति पुष्प	८.००
२६९.	त्यागवाद	२५.००
२७०.	भस्मान्त शरीरम्	८.००
२७१.	जीवन मृत्यु का चिन्तन	२०.००
२७२.	ब्रह्मचर्य का वैज्ञानिक स्वरूप	१०.००
२७३.	चाणक्य नीति	५०.००
२७४.	अष्टाध्यायी सूत्र पाठ	५०.००
२७५.	आनन्द बहार शायरी	१५.००
२७६.	वैदिक वीर गर्जना	२५.००
२७७.	पर्यावरण विज्ञानम्	२०.००
२७८.	यजुर्वेद संहिता गुटका	८०.००
२७९.	सामवेद संहिता गुटका	८०.००

DR. HARISH CHANDRA

280	The Human Nature & Human Food	12.00
281.	Vedas & Us	15.00
282.	What in the Law of Karma	150.00
283.	As Simple as it Get	80.00
284.	The Thought for Food	150.00
285.	Marriage Family & Love	15.00
286.	Enriching the Life	150.00

डॉ. वेदप्रकाश गुप्त

२८७.	दयानन्द दर्शन	६०.००
२८८.	Philoshophy of Dayanand	150.00
२८९.	महर्षि दयानन्द का समाज दर्शन	२०.००

श्री स्वामी स्वतन्त्रानन्दजी महाराज

२९०.	आर्य सिद्धान्त और सिख गुरु	६०.००

आचार्य सत्यजीत जी

२९१.	आध्यात्मिक चिन्तन के क्षण	४०.००

॥ ओ३म् ॥

परोपकारिणी सभा–एक संक्षिप्त परिचय

(महर्षि दयानन्द द्वारा संस्थापित एवं उनकी उत्तराधिकारिणी सभा)

सत्य के पुजारी महर्षि दयानन्द सरस्वती के एक इच्छा–पत्र द्वारा परोपकारिणी सभा का जन्म हुआ। महर्षि द्वारा १६ अगस्त १८८० को मेरठ में इसकी प्रथम स्थापना हुई। फिर उन्होंने २७ फरवरी १८८३ को इसे पुनर्गठित कर उदयपुर में पंजीकृत कराया। तब इसका कार्यालय उदयपुर में रखा गया। १८९३ में परोपकारिणी सभा का कार्यालय अजमेर में लाया गया। महर्षि ने परोपकारिणी सभा के तीन लक्ष्य रखें –

१. वेद–वेदाङ्गादि शास्त्रों का प्रचार। २. वेदोक्त धर्म का उपदेश और शिक्षा।

३. आर्यावर्त्तीय और दीन मनुष्यों के संरक्षण, पोषण और सुशिक्षा का कार्य।

तब से लेकर आज तक परोपकारिणी सभा महर्षि के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए सतत् प्रयत्नशील है।

सभा की गतिविधियाँ

ऋषि उद्यान :– आनासागर के सुरम्य तट पर स्थित पावन ऋषि आश्रम, जहां स्वामीजी के अंतिम अवशेषों को विसर्जित किया गया था। यहाँ प्रातः यज्ञ के पश्चात् वेद, दर्शन, उपनिषदादि तथा सायंकाल सत्यार्थप्रकाशादि ऋषिकृत ग्रन्थों की कथा की जाती है। यहाँ समय–समय पर विभिन्न कार्यक्रमों का, पर्वों एवं विशेष अवसरों पर यज्ञ–प्रवचन का, योग शिविरों का, बालक–बालिकाओं के पृथक–पृथक चरित्र–निर्माण शिविरों का आयोजन किया जाता है। यहीं अतिथियों के निवास एवं भोजन की व्यवस्था की गई है।

सरस्वती भवन संग्रहालय :– ऋषि उद्यान में महर्षि दयानन्द सरस्वती द्वारा दैनिक उपयोग की उपलब्ध समस्त वस्तुएँ प्रदर्शनी कक्ष में रखी गई हैं। स्वामी जी की हस्तलिखित पुस्तकों की प्रतिलिपि, उनके कुछ पत्र, उनकी लिखी पुस्तकें एवं वैदिक यंत्रालय की स्वामी जी द्वारा मंगाई गई मशीन भी अवलोकनार्थ उपलब्ध है। सरस्वती भवन में महर्षि दयानन्द की चित्रमय जीवन झांकी अंकित है।

पाण्डुलिपि संरक्षण :– महर्षि दयानन्द द्वारा लिखित सत्यार्थप्रकाश, ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका आदि ग्रन्थों की पाण्डुलिपियाँ दयानन्द आश्रम में संरक्षित हैं। इनमें से बहुत–सी पाण्डुलिपियों के लेमिनेशन व माइक्रोफिल्म निर्माण का कार्य हो चुका है।

श्रीमद्दयानन्द वैदिक पुस्तकालय एवं वाचनालय :– दयानन्द आश्रम के मध्य में सभा द्वारा संचालित श्रीमद्दयानंद वैदिक पुस्तकालय एवं वाचनालय स्थापित है, जिसमें महर्षि दयानन्द के निजी पुस्तकालय की पुस्तकें भी सम्मिलित हैं। यहाँ विद्वान् शोध एवं अनुसंधान हेतु अध्ययन करते हैं। सामान्य जनता भी इसका लाभ उठाती है। सभी इस सेवा का लाभ निःशुल्क प्राप्त करते हैं।

परोपकारी :– (पाक्षिक पत्रिका) गत ५३ वर्षों से नियमित रूप से प्रकाशित एक मात्र पाक्षिक आर्य पत्रिका है। इसमें प्रमुख आर्य विचारकों, विद्वानों एवं शोधकर्त्ताओं के सारगर्भित सैद्धांतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक व राष्ट्रीय लेख होते हैं। वैदिक विचारधारा के प्रचारार्थ लागत से भी बहुत कम शुल्क पर इसे जनसाधारण को उपलब्ध कराया जाता है। भारत में वार्षिक शुल्क २०० रु. एवं आजीवन शुल्क (१५ वर्ष) २००० रु. तथा विदेश में वार्षिक शुल्क ५० पौण्ड/८० डॉलर एवं आजीवन शुल्क (१५ वर्ष) ५०० पौण्ड/८०० डालर है।

वैदिक पुस्तकालय :– इसके द्वारा आर्य साहित्य एवं हस्तलेखों से मिलान कर महर्षि दयानन्द सरस्वती कृत पुस्तकों का प्रकाशन, न्यूनतम मूल्यों पर उच्च कोटि के वैदिक साहित्य का विक्रय एवं प्रचार–प्रसार किया गया है।

वैदिक यंत्रालय :– महर्षि दयानन्द सरस्वती द्वारा स्थापित एवं परोपकारिणी सभा, अजमेर द्वारा संचालित राजस्थान का प्राचीनतम एवं प्रतिष्ठित मुद्रणालय, जिसमें पत्रिका व आर्य साहित्य का भी मुद्रण किया जाता है।

सभा कार्यालय :– यह दयानन्द आश्रम में एक पार्श्व में स्थित है। सभा के समस्त आय–व्यय का लेखा–जोखा यहीं रखा जाता है। परोपकारी पत्रिका का संचालन भी यहीं से होता है।

ऋषि मेला :– यह परोपकारिणी सभा द्वारा ऋषि बलिदान दिवस के रूप में प्रतिवर्ष दीपावली के बाद आयोजित किया जाने वाला त्रिदिवसीय कार्यक्रम है। इसमें विभिन्न धार्मिक–आध्यात्मिक कार्यक्रम होते हैं। ऋषि मेले में देश के उच्च कोटि के संन्यासी, वानप्रस्थी, आचार्य, विद्वान, लेखक, भजनोपदेशक पधारते हैं जिनका लाभ आगन्तुकों को यज्ञ, वेदपाठ, वेदोपदेश, भजन, प्रवचन, वेदगोष्ठी, व्यायाम–प्रदर्शन आदि अनेक कार्यक्रमों में प्राप्त होता है।

ऋषि मेले से ५ दिन पूर्व से वेद पारायण यज्ञ प्रारम्भ हो जाता है व उसकी पूर्णाहुति ऋषि मेले के अन्तिम दिन प्रातःकालीन यज्ञ में होती है। ऋषि मेले में अनेक प्रसिद्ध पुस्तक प्रकाशकों, औषध निर्माताओं, हवनकुण्ड, आचमन पात्र, कलैण्डर, स्टीकर, कैसेट, सी.डी. आदि के विक्रेताओं की दुकानें भी लगती हैं। आगन्तुकों के निवास एवं भोजन की व्यवस्था परोपकारिणी सभा द्वारा आप सभी के सहयोग से की जाती है।

वेद गोष्ठी :– प्रतिवर्ष मेले का अन्तर्राष्ट्रीय दयानन्द वेदपीठ दिल्ली व अनुसंधान केन्द्र परोपकारिणी सभा, अजमेर के संयुक्त प्रयास से वेद–गोष्ठी का आयोजन किया जाता है। जिसमें प्रतिवर्ष वेद सम्बन्धी किसी विषय का निर्धारण किया जाता है। इसकी सूचना कई माह पूर्व विद्वानों व जन–सामान्य को दे दी जाती है। वेद–गोष्ठी में अनेक वेद विद्वान व अनुसंधानकर्त्ता निर्धारित विषय पर अपना शोध–पत्र पढ़ते हैं व शंका–समाधान सहित चर्चा करते हैं। वेद–गोष्ठी में पढ़े हुए शोध–पत्रों में से मुख्य–मुख्य का संकलन पुस्तक में प्रकाशित भी किया जाता है।

गुरुकुल :– परोपकारिणी सभा द्वारा ऋषि उद्यान में सुयोग्य विद्वान् एवं तपस्वियों के माध्यम से ऋषि दयानन्द के निर्देशानुसार आर्ष पद्धति से वेद–वेदांगों का अध्ययन कराया जाता है तथा चरित्र निर्माण की शिक्षा दी जाती है। गुरुकुल में न्यूनतम दसवीं कक्षा उत्तीर्ण सोलह वर्ष से बड़े युवकों को प्रवेश दिया जाता है। वर्तमान में योग्य आचार्यों की देखरेख में गुरुकुल का संचालन हो रहा है। सभी को बिना किसी भेद–भाव के आसन, भोजन, वस्त्र एवं शिक्षा की सुविधा सभा की ओर से निःशुल्क प्रदान की जाती है। जनता के सहयोग से गुरुकुल सफलतापूर्वक चल रहा है।

अनुसंधान भवन :– ऋषि उद्यान में सभा के द्वारा संकल्पित सवा करोड़ से भी अधिक की लागत से अनुसंधान भवन का निर्माण कराया गया है। इसमें एक विशाल कक्ष, दो दीर्घ कक्ष, दो भण्डार कक्ष व २४ आवासीय कमरें हैं। इसके निर्माण का लक्ष्य एवं उद्देश्य भारतीय संस्कृति एवं वैदिक साहित्य पर वैदिक विद्वानों द्वारा गवेषणा पूर्ण कार्य किया जाना व वैदिक साहित्य का ऋषि के मन्तव्यों के अनुकूल प्रचार–प्रसार करना है। ऋषिमेला व शिविर काल की निवास व्यवस्था और गुरुकुल की निवास व्यवस्था भी इसी में हो रही है।

वानप्रस्थ एवं संन्यास आश्रम :– ऋषि उद्यान में निवास कर रहे वानप्रस्थी एवं संन्यासियों को आवास, भोजन एवं चिकित्सा की समुचित निःशुल्क सुविधा दी जाती है ताकि वे तन्मयता से व निर्विघ्न अपनी साधना कर सकें। स्वामी ओमानन्द सरस्वती संन्यास आश्रम भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, उक्त भवन में १६ कक्ष निर्मित हैं जिनमें रसोई, शौचालय–स्नानागार भी हैं।

गौशाला :– ऋषि उद्यान में एक सुव्यवस्थित गौशाला भी है, जिससे प्राप्त दूध गुरुकुल के ब्रह्मचारियों, संन्यासियों, वानप्रस्थियों एवं आगत सम्मानित अतिथियों को दिया जाता है। स्थाई गौशाला भवन का निर्माण संपूर्णता की ओर है।

व्यायामशाला :– ऋषि उद्यान में आधुनिक संसाधन सहित एक व्यायामशाला है। यहाँ योग एवं व्यायाम के प्रशिक्षित शिक्षक की देखरेख में जन–सामान्य एवं आश्रमवासियों हेतु प्रतिदिन दोनों समय ५ से ७ बजे तक दण्ड–बैठक, जूड़ो–कराटे, व्यायाम, आसन, प्राणायाम आदि सीखने व करने की सुविधा उपलब्ध है।

यहाँ के शिक्षक व्यायाम, आसन, प्राणायाम आदि सिखाने हेतु नगर के विभिन्न विद्यालयों व पुलिस विभाग–जेल आदि संस्थाओं में भी जाते हैं।

ध्यान योग एवं रोग निवारण शिविर – जन सामान्य की शरीरिक, मानसिक, बौद्धिक, आत्मिक एवं सामाजिक उन्नति के लिए स्वामी विष्वङ् जी परिव्राजक के कुशल प्रशिक्षण में देश के विभिन्न प्रान्तों में सप्तदिवसीय शिविर लगाये जाते हैं, जिसमें अष्टाङ्गयोग का परिचय व वैदिक सैद्धान्ति तक ज्ञान के साथ आसन, प्राणायाम, ध्यान, व्यायाम आदि का प्रयोगात्मक प्रशिक्षण दिया जाता है। इस सन्दर्भ में जन–सामान्य की सुविधा हेतु पुस्तक, ऑडियो कैसेट, ऑडियो सी.डी., वीडियो सी.डी. एवं डी.वी.डी. भी

तैयार किये गये है। यदि कोई व्यक्ति या संस्था ऐसे शिविर का आयोजन अपने स्थान–ग्राम–नगर में करवाना चाहें तो परोपकारिणी सभा से सम्पर्क कर सकते हैं।

शिविर :– ऋषि उद्यान में प्रतिवर्ष ग्रीष्मकाल में व दीपावली के पूर्व कुल दो साधना–शिविर लगते हैं। ग्रीष्मावकाश में एक आर्यवीर दल एवं एक आर्य वीराङ्गना शिविर भी प्रतिवर्ष लगता है।

भोजनशाला व योग मन्दिर :– इस भवन के प्रथम भूमितल पर भोजनालय है। इसमें आश्रम के समस्त निवासियों व आगन्तुकों के भोजन की व्यवस्था निःशुल्क की जाती है। इसके दूसरे तल पर १ ध्यान कक्ष व ७ निवास कक्ष हैं, इसी तल पर एक रिकॉर्डिंग कक्ष बनाया गया है। इसके तीसरे तल पर १३ निवास कक्ष हैं, इसमें ४ कक्ष वातानुकूलित हैं। सभी कक्षों में शौचालय, स्नानागार संलग्न हैं। इसमें लिफ्ट का भी प्रावधान किया गया है।

दयानन्द धर्मार्थ चिकित्सालय : इस चिकित्सालय का उद्‌घाटन महर्षि दयानन्द निर्वाण समारोह (ऋषि मेला २०१२) के अवसर पर आचार्य बलदेव जी द्वारा किया गया। औषधालय में उपलब्ध सभी औषधियाँ निःशुल्क प्रदान की जाती है।

निवेदन :– सभी ऋषि भक्तों, देश की अग्रिम पंक्ति के उदारमना दानवीरों से निवेदन है कि इन पावन कार्यों को संपन्न कराने हेतु अपना आर्थिक सहयोग सभा को प्रदान कर धर्म लाभ प्राप्त करें।

कृपया अपना सहयोग ड्राफ्ट या मनीऑर्डर द्वारा निम्नलिखित नाम व पते पर प्रेषित करें। सभा को दिया गया दान आयकर की धारा ८०जी के अनुसार आयकर से मुक्त है। आप अपना सहयोग **'मंत्री, परोपकारिणी सभा'** के नाम निम्नलिखित पते पर भेज सकते हैं –

मंत्री, परोपकारिणी सभा, दयानन्द आश्रम, केसरगंज, अजमेर–३०५००१ (राजस्थान)

दूरभाष :– सभा : ०१४५–२४६०१६४, **वैदिक पुस्तकालय :** २४६०१२०

ऋषि उद्यान कार्यालय : २६२१२७०, **गुरुकुल :** २६३२५७२, २६२१८९१

Web Site : www.paropkarinisabha.com

E-mail : psabhaa@gmail.com

*

सम्पर्क सूत्र – (पुस्तकों के लिए)

वैदिक पुस्तकालय

दयानन्द आश्रम, केसरगंज, अजमेर

फोन : 0145-2460120

आर्यसमाज के नियम

१. सब सत्यविद्या और जो पदार्थ विद्या से जाने जाते हैं, उन सबका आदिमूल परमेश्वर है।

२. ईश्वर सच्चिदानन्दस्वरूप, निराकार, सर्वशक्तिमान्, न्यायकारी, दयालु, अजन्मा, अनन्त, निर्विकार, अनादि, अनुपम, सर्वाधार, सर्वेश्वर, सर्वव्यापक, सर्वान्तर्यामी, अजर, अमर, अभय, नित्य, पवित्र और सृष्टिकर्त्ता है, उसी की उपासना करनी योग्य है।

३. वेद सब सत्यविद्याओं का पुस्तक है। वेद का पढ़ना–पढ़ाना और सुनना–सुनाना सब आर्यों का परमधर्म है।

४. सत्य के ग्रहण करने और असत्य के छोड़ने में सर्वदा उद्यत रहना चाहिये।

५. सब काम धर्मानुसार अर्थात् सत्य और असत्य को विचार करके करने चाहिये।

६. संसार का उपकार करना इस समाज का मुख्य उद्देश्य है अर्थात् शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक उन्नति करना।

७. सबसे प्रीतिपूर्वक धर्मानुसार यथायोग्य वर्त्तना चाहिये।

८. अविद्या का नाश और विद्या की वृद्धि करनी चाहिये।

९. प्रत्येक को अपनी ही उन्नति से सन्तुष्ट न रहना चाहिये, किन्तु सबकी उन्नति में अपनी उन्नति समझनी चाहिये।

१०. सब मनुष्यों को सामाजिक सर्वहितकारी नियम पालने में परतन्त्र रहना चाहिये और प्रत्येक हितकारी नियम में सब स्वतन्त्र रहें।

मुद्रक :
वैदिक यन्त्रालय
केसरगंज, अजमेर–३०५००१
फोन : २४६०८३१

वैदिक धर्म के पुनरुद्धारक व राष्ट्रनिर्माता महर्षि
दयानन्द के ग्रन्थों का अधिकृत प्रकाशन केन्द्र

वैदिक पुस्तकालय, अजमेर

महान युगपुरुष महर्षि दयानन्द ने उन्नीसवीं शताब्दी में वेदों पर भाष्य रचना कर तथा धार्मिक जगत् में अपूर्व क्रान्ति उपस्थित करने वाले, सत्यार्थ–प्रकाश, संस्कार विधि एवं ऋग्वेदादिभाष्य भूमिका आदि ग्रन्थों का प्रणयन कर वैदिक वाङ्मय के इतिहास में नवीन युग का आरम्भ किया था। तब से लेकर आज पर्यन्त वैदिक पुस्तकालय महर्षि के सभी ग्रन्थों के प्रामाणिक तथा अधिकृत संस्करणों का प्रकाशन कर रहा है। वैदिक यंत्रालय की स्थापना स्वामीजी ने इसी प्रयोजन से की थी कि इसके माध्यम से वेदादि शास्त्र तथा अन्य ऋषिकृत ग्रन्थ और उन के महत्त्वपूर्ण भाष्य, टीका, व्याख्या आदि जनसाधारण को उपलब्ध होते रहें।

वैदिक पुस्तकालय, अजमेर अपनी इसी गौरवशाली परम्परा का निर्वाह करता हुआ उन्नीसवीं शताब्दी के अन्तिम दशक से इसी कर्त्तव्य की पूर्ति में संलग्न है। यहाँ महर्षि दयानन्द के वेदभाष्य, वेदभाषाभाष्य, वेदाङ्गप्रकाश आदि अन्य ग्रन्थों के अतिरिक्त परोपकारिणी सभा के भूतपूर्व मन्त्री तथा साहित्यकार दीवान बहादुर हरविलास शारदा रचित महर्षि दयानन्द की प्रामाणिक अंग्रेजी जीवनी एवं अन्य रचनायें, आचार्य उदयवीर शास्त्री, डॉ. भवानीलाल भारतीय एवं अन्यान्य वैदिक विद्वानों द्वारा लिखित महत्त्वपूर्ण शोधपूर्ण ग्रन्थ भी विक्रयार्थ उपलब्ध हैं। थोक पुस्तक विक्रेताओं तथा अन्य सभी ग्राहकों को समान कमिशन दिया जाता है।